

Book No. 504

## Ch. Charan Singh University, Meerut

(Formerly Meerut University)  
STATEMENT OF MARKS OF B. Sc. PART - II (T.D.C.) EXAMINATION YEAR 1999 Sr No. 1336

0044

Roll No. B **498064**  
Name **Asmish Dev**  
College **A.S. Mathura**



Enrolment No. **M 9638166**  
Father's Initial **JS**

Name of Subjects	Code Number	Max. Marks Theory	Max. Marks Practical	Marks Obtained				Practical	Grand Total	Result	
				I	II	III	Total				
Botany	301/302/303P	100	50							1st	
Chemistry	306/307/308/311P	100	50								
Defence Studies	303/304/305P	100	50	25	24	24	73	40	113		
Economics -	345/348	150	-								
Geography	326/328/329/331P	100	50								
Geology	311/312/319P	100	50								
Mathematics	326/327/328	150	-	41	46	32	119	-	119		
Physics	316/317/327P	100	50	42	36	-	78	38	116		
Statistics	331/332/343P	100	50								
Zoology	321/322/335P	100	50								
Opt. Instrumentation	351/352/355P	100	50								
Industrial Chemistry	353/354/355/361P	100	50								
Food Sc. & Q. Control	356/357/358/364P	100	50								
Marks of Part III Exam	450										
Marks of Part I & II Exam	1000										348
Total Marks of Part I & II & III	1450									731	
										1079	

Signature of Writer *[Signature]*

Signature of Checker *[Signature]*

Dated: **15 JUN 1999**

*[Signature]*  
for Registrar

परिभाषणा में सम्बन्धित विधित्त नियमों का विवरण

(क) उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक पुस्तक लिखी, परामर्शक बोर्डों तथा परीक्षार्थी बोर्डों की लिखित एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में प्रत्येक-एक पुस्तक 33 प्रतिशत अथवा दोष अधिकांश है। परामर्शक बोर्डों के द्वारा एक पुस्तक को न लेते-लेते उत्तीर्ण परीक्षार्थी बोर्डों के द्वारा एक ही लेते-लेते। परामर्शक बोर्डों में उत्तीर्ण होने अधिकांश है।

(ख) यदि परीक्षार्थी लिखित एवं प्रयोगात्मक परीक्षा में उत्तीर्ण-उत्तीर्ण (उत्तीर्ण ही नहीं) परामर्शक बोर्डों के द्वारा एक ही लेते-लेते। परामर्शक बोर्डों में उत्तीर्ण होने अधिकांश है।

(ग) पुनः परीक्षा के लिए उन्हें वे परीक्षार्थी होने वाले पुनः परीक्षा/उत्तीर्ण की परीक्षा के एक दिवस 4 33 प्रतिशत से कम और अन्य सभी दिवसों में 33 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त कर लेना है। यह 33 प्रतिशत से कम अंक वाले परीक्षा के एक प्रश्न पर उत्तर नहीं देना है। पुनः परीक्षा के दिवसों में उत्तीर्ण होने के लिए उन्हें परीक्षार्थी परीक्षा लेनी है।

(घ) प्रत्येक पुस्तक/उत्तीर्ण के लिए लिखित एवं प्रयोगात्मक परीक्षा के एक ही लेते-लेते।

(ङ) पुस्तक 5 अथवा कम से ही लेना के लिए एक ही दिवस में लिखित एवं प्रयोगात्मक परीक्षा के एक ही लेते-लेते।

(च) प्रत्येक पुस्तक को न लेते-लेते।

(ज) पुनः परीक्षा के लिए उन्हें वे परीक्षार्थी होने वाले पुनः परीक्षा/उत्तीर्ण की परीक्षा के एक दिवस 4 33 प्रतिशत से कम और अन्य सभी दिवसों में 33 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त कर लेना है। यह 33 प्रतिशत से कम अंक वाले परीक्षा के एक प्रश्न पर उत्तर नहीं देना है। पुनः परीक्षा के दिवसों में उत्तीर्ण होने के लिए उन्हें परीक्षार्थी परीक्षा लेनी है।

(झ) पुनः परीक्षा के लिए उन्हें वे परीक्षार्थी होने वाले पुनः परीक्षा/उत्तीर्ण की परीक्षा के एक दिवस 4 33 प्रतिशत से कम और अन्य सभी दिवसों में 33 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त कर लेना है। यह 33 प्रतिशत से कम अंक वाले परीक्षा के एक प्रश्न पर उत्तर नहीं देना है। पुनः परीक्षा के दिवसों में उत्तीर्ण होने के लिए उन्हें परीक्षार्थी परीक्षा लेनी है।

(ञ) पुनः परीक्षा के लिए उन्हें वे परीक्षार्थी होने वाले पुनः परीक्षा/उत्तीर्ण की परीक्षा के एक दिवस 4 33 प्रतिशत से कम और अन्य सभी दिवसों में 33 प्रतिशत अथवा अधिक अंक प्राप्त कर लेना है। यह 33 प्रतिशत से कम अंक वाले परीक्षा के एक प्रश्न पर उत्तर नहीं देना है। पुनः परीक्षा के दिवसों में उत्तीर्ण होने के लिए उन्हें परीक्षार्थी परीक्षा लेनी है।